मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT-051

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (संशोधित)

(पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.टी.टो.-051 : अनुवाद : सिद्धान्त और परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या **9** अनिवार्य है। प्रश्न संख्या **1** से **8** तक से किन्हीं **चार** प्रश्न के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में तथा प्रश्न संख्या **9** में पूछी गई टिप्पणियों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग **350** शब्दों में दीजिए।*

---

1. अनुवाद के अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. अननुवाद्यता का अर्थ स्पष्ट करते हुए अनुवाद की सीमाओं की विवेचना कीजिए।

3. प्राचीन भारतीय अनुवाद सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।

4. अनुवाद के क्षेत्र में आधुनिक पाश्चात्य अनुवाद सिद्धान्तों के योगदान की चर्चा कीजिए।

5. 'उत्तर-आधुनिकता एवं अनुवाद के सिद्धान्त' पर विस्तृत लेख लिखिए।

6. 'अनुवाद में संस्कृति की केन्द्रीयता' पर निबन्ध लिखिए।

7. 'अनुवाद एक निरपेक्ष क्रिया नहीं है।' उत्तर-औपनिवेशिकता के आलोक में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

8. अस्मितावादी साहित्य के अनुवाद के लिए अनुवादक में किन गुणों का होना आवश्यक है ? चर्चा कीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) अनुवाद और अनुसृजन

   (ख) तेजस्विनी निरंजना का अनुवाद सिद्धान्त

   (ग) 'पंचतंत्र' का अरबी में अनुवाद

   (घ) कनाडाई अनुवाद परम्परा